RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 17 जून 2023 वर्ष 05 अंक 56 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी ®
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई शहर में मंडराने लगा जल संकट...!

जलाशयों में सिर्फ 15.2 फीसदी पानी बचा...

मुंबईः देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को सात झीलों से पानी की आपूर्ति की जाती है, लेकिन अब इस शहर पर जल संकट का खतरा मंडरा रहा है. दरअसल इन झीलों में महज 45 दिनों का ही पानी बचा हुआ है. इस वजह से मुंबई महानगरपालिका का भी टेंशन बढ़ गया है. महाराष्ट्र के अलग-अलग हिस्सों में लोग पानी की किल्लत का सामना कर रहे हैं. अब मुंबई पर भी जल संकट का खतरा मंडरा रहा है. मुंबई में नासिक, ठाणे, भिवंडी जैसे इलाकों की सात झीलों से पाइपलाइन- टनल के जरिए पानी सप्लाई होता है.

बीएमसी की एक ताजा रिपोर्ट

के मुताबिक झीलें बारिश के पानी पर निर्भर हैं. मुंबई को पानी देने वाले जलाशयों में 15.2% स्टॉक ही बचा है जो करीब 2.4 लाख मिलियन लीटर के बराबर है. इसमें से एक फीसदी पानी मुंबई में तीन दिनों के इस्तेमाल लायक होता है. बीते साल 15 जून 2022 को यह आंकड़ा 12.24% था, जबकि इसी तारीख में 2021 में स्टॉक 12.75% था. मुंबई में साल भर में 14,47,36.3 मिलियन लीटर पानी की जरूरत होती है. पिछले साल बारिश अच्छी हुई थी, और मुंबई को पानी देने वाले बांध लबालब भर गए थे. अक्टूबर के आखिर में बांधों में 97 प्रतिशत पानी था. लेकिन इस साल मानसून के आगमन में देरी ने चिंता बढ़ा दी है. बीते साल 11 जून को मानसून ने मुंबई में दस्तक दे दी थी. वहीं इस साल भीषण गर्मी से कई जलाशयों में तेजी से पानी सूखने लगा है.

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) मुंबई की वैज्ञानिक सुषमा नायर बताती हैं कि चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के चलते मानसून में खलल पड़ा. अब 18 से 21 जून के बीच मानसून आने के संकेत हैं. सुषमा नायर ने कहा,''साइक्लॉन पूरी हवा खींच लेता है. मानसून विंड पैटर्न पर निर्भर करता है. 18 से 21 जून के बीच मानसून आने की संभावना है. इस बार मानसून ठीक होगा, लेकिन महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में कम हो सकता है. झीलों के कैचमेंट एरिया में ज्यादा बारिश बीते साल की तरह होगी या नहीं, अभी कही नहीं जा सकता.''

मुंबई लोकल मे हुए यौन शोषण पर भड़का विपक्ष...

सीएम शिंदे और देवेंद्र फडणवीस से पूछा ये तीखा सवाल

महाराष्ट्र : एक विज्ञापन के बाद महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के बीच दूरियों की अटकलें लगाई जाने लगी. पालघर में इस मामले पर शिंदे और फडणवीस दोनों ने सार्वजनिक तौर पर कहा है कि इसमें कोई बेईमानी नहीं है. हालांकि, पीछे के घटनाक्रम पर अभी भी बहस हो रही है. अब विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है. विपक्षी दलों ने पहले इस कांड को लेकर और अब बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा है.

संजय राउत का महाराष्ट्र सरकार पर हमला

ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने मुंबई की एक घटना का जिक्र किया. दो दिन पहले मुंबई में चलती लोकल ट्रेन में 40 साल के करीम शेखनामक ने 20 साल की लड़की का यौन शोषण किया था. पुलिस ने इस बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है. हालांकि अजित पवार द्वारा इस मुद्दे पर बोलते हुए सरकार की तीखी आलोचना करने के बाद संजय राउत ने सरकार पर सवाल खड़े किए हैं.

अजित पवार ने क्या कहा?

अजीत पवार ने कहा है कि इस सरकार के पास कानून व्यवस्था पर ध्यान देने का समय नहीं है. अगर परीक्षा देने जा रही किसी लड़की को ट्रेन में प्रताड़ित किया जा रहा है तो उन सबकी रक्षा करने वाले राज्य के गृह मंत्री क्या कर रहे हैं? पुलिस कहां है या फिर पुलिस सिर्फ 40 देशद्रोही विधायकों को बचाने के लिए है?''

ठाणे में हेलमेट रहेगा तभी मिलेगा प्रवेश!

हाउसिंग सोसायटी और सरकारी कार्यालयों के बाहर लगेंगे बोर्ड

ठाणे : शहर में दोपहिया वाहनों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है, जिसकी वजह से चौड़ी-चौड़ी सड़कें भी वाहनों के लिए कम पड़ने लगी हैं। जरा सी असावधानी हुई तो दुर्घटना हो जाती है। कभी-कभी इन दुर्घटनाओं में जान भी चली जाती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहनों की संख्या अधिक होती है। हेलमेट नहीं होने की वजह से दुर्घटनाओं में दोपहिया चालकों मौत अधिक होती हैं। अब प्रादेशिक परिवहन विभाग ने हेलमेट पहने को लेकर जनजागृति अभियान शुरू किया

है। शहर के हाउसिंग सोसायटी, सरकारी कार्यालयों और निजी संस्थानों के बाहर बोर्ड लगाया जा रहा है कि जिसमें दोपहिया वाहन चालकों को संबोधित संदेश रहेगा कि हेलमेट पहने रहेंगे तभी प्रवेश मिलेगा। दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य है। इस संदर्भ में ठाणे प्रादेशिक परिवहन विभाग की तरफ से परिपत्र भी जारी किया गया है, इसके बावजूद दोपहिया चालक हेलमेट नहीं पहनते हैं। ट्रैफिक पुलिस से बचने के लिए हेलमेट पास में रखे रहते हैं। ट्रैफिक पुलिस ने इस संदर्भ में सभी सरकारी कार्यालयों और निजी संस्थानों में दोपहिया से आने वालों को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने का निर्देश दिया गया है। जनजागृति के तहत शहर के हाउसिंग सोसायटियों के बाहर बोर्ड लगाए जाने हैं।ठाणे के उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी जयंत पाटिल के मुताबिक, सड़क दुर्घटनाओं में 70 से 80 प्रतिशत मामले दोपहिया वाहनों या पैदल चलने वालों से संबंधित होते हैं। हेलमेट नहीं पहनने की वजह से राज्य में 7 हजार 700 से अधिक दोपहिया सवारों की मौत हो चुकी है। जो बहुत ही चिंताजनक है। मृत्यु की संख्या में कमी लाने के लिए दोपहिया चलते समय हेलमेट पहनना आवश्यक है।

संजय राउत क्या बोले?

संजय राउत ने कहा, ''जैसा कि अजीत पवार ने घोषणा की थी, ठाणे में 100 से अधिक लोग हैं जिन्होंने कम से कम 1000 पुलिसकर्मियों को उनकी सुरक्षा के लिए तैनात किया है क्योंकि वे शिंदे गुट में प्रवेश कर चुके हैं. आप किससे डरते हैं? अजित पवार इस लिस्ट का ऐलान जल्द करें. हम भी इस लिस्ट का इंतजार कर रहे हैं. हमारे पास एक ही जानकारी है. अगर ठाणे में करीब 1000 पुलिसकर्मियों को केवल शिंदे के रिश्तेदारों और उनसे अलग हुए लोगों की सुरक्षा के लिए रखा गया है, तो यह एक सीधा सा सवाल है कि लोगों और महिलाओं की रक्षा कौन करेगा.''

संपादकीय / लेख

अमल का समय

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

इस पर आश्चर्य नहीं कि विधि आयोग की ओर से समान नागरिक संहिता पर सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों से राय मांगने की घोषणा करने के साथ ही उसके विरोध में तरह-तरह के कुतर्क दिए जाने लगे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की मानें तो समान नागरिक संहिता पर विधि आयोग की पहल मोदी सरकार के ध्रुवीकरण का एजेंडा है। क्या वह यह कहना चाहते हैं कि संविधान निमार्ताओं ने ध्रुवीकरण के किसी एजेंडे के तहत ही अनुच्छेद 44 में यह लिखा था कि देश के सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करना सरकार का दायित्व है?

कांग्रेस को इस प्रश्न पर विचार करने के साथ ही इस पर शर्मिंदा होना चाहिए कि स्वतंत्रता के बाद सबसे लंबे समय तक शासन करने के बाद भी वह समान नागरिक संहिता के मामले में संविधान निमार्ताओं की इच्छा का पालन नहीं कर सकी। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि उसने ऐसा जानबूझकर किया, क्योंकि उसने तमाम विरोध के बाद भी हिंदुओं के निजी कानूनों को संहिताबद्ध कर दिया था। कायदे से तभी अन्य समुदायों के भी निजी कानून संहिताबद्ध करके समान नागरिक संहिता की दिशा में कदम बढ़ा दिए जाने चाहिए थे। कांग्रेस ने ऐसा न करके देश के नागरिकों में भेद पैदा करने के साथ उन्हें अलग-अलग खांचों में बांटने का काम किया। ऐसा करके उसने राष्ट्रीय एकत्व की भावना को कमजोर किया और विभिन्न समुदायों के बीच यह आवश्यक संदेश जाने से रोका कि संविधान की निगाह में वे सभी बराबर हैं।

यह खेद की बात है कि समान नागरिक संहिता के प्रश्न पर कांग्रेस अपने मूल्यों और सिद्धांतों के साथ अपने पूर्वजों की भी अनदेखी करती है। पता नहीं क्यों वह यह भूल जाती है कि 1928 में भारत के संविधान का जो पहला प्रारूप मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता वाली समिति ने तैयार किया था, उसमें समान नागरिक संहिता की पैरवी की गई थी? क्या इससे विचित्र और कुछ हो सकता है कि एक समुदाय के निजी कानूनों को तो संहिताबद्ध कर दिया जाए, लेकिन अन्य समुदायों को उनके निजी कानूनों के हिसाब से चलने दिया जाए और वह भी तब, जब ऐसे निजी कानून कई तरह की सामाजिक समस्याएं पैदा करने के साथ महिलाओं के हितों पर कुठाराघात करते हों?

समान नागरिक संहिता को लेकर अक्सर यह भी कुतर्क दिया जाता है कि यह सामाजिक विविधता की विरोधी है। क्या समान नागरिक संहिता अपनाने वाले अन्य देशों और विशेष रूप से अमेरिका में सामाजिक विविधता नहीं है? वहां करीब-करीब दुनिया के हर देश के नागरिक रहते ही नहीं हैं, बल्कि वहां बसने के लिए लालायित भी रहते हैं। अपने देश में भी गोवा में समान नागरिक संहिता स्वतंत्रता के पहले से ही लागू है। विरोधी दलों के नेता समान नागरिक संहिता को लेकर कुछ भी कहें, यह वह विचार है, जिसके अमल का समय आ गया है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

विरोधियों की आवाज दबाने के लिए भाजपा के निशाने पर दक्षिणी राज्य! - शरद पवार

मुंबई, तमिलनाडु के ऊर्जा मंत्री वी. सेंथिल बालाजी के कार्यालय और अन्य स्थानों पर ईडी ने मंगलवार को छापेमारी की। इस कार्रवाई का विरोधी दलों के नेताओं ने निषेध किया है। विरोधी दलों की आवाज को दबाने के लिए भाजपा ने अब दक्षिणी राज्यों की तरफ अपना टारगेट किया है, ऐसी टिप्पणी करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने मोदी सरकार पर जोरदार निशाना साधा।

विरोधी दलों के नेताओं और मंत्रियों पर ईडी की कार्रवाई का प्रमाण बढ़ गया है। तमिलनाडु के ऊर्जा मंत्री के कार्यालय पर ईडी द्वारा की गई छापेमारी का निषेध है, ऐसा ट्विट शरद पवार ने किया है। केंद्र सरकार के विरोध में उठ रही विरोधी दलों की आवाज को दबाने का प्रयास ईडी के माध्यम से किया जा रहा है। केंद्र सरकार के विरोध में उठ रही आवाज को दबाने के उद्देश्य से ईडी अब दक्षिण के राज्यों में पहुंच गई है, ऐसी टिप्पणी पवार ने की है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ईडी की इस कार्रवाई का विरोध किया है। विरोधियों को धमकाने का भाजपा का यह प्रयास सफल नहीं होगा, ऐसा खरगे ने कहा। विरोधियों को धमकाने और तकलीफ देने के लिए भाजपा द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग शुरू है।

राजनीतिक बदले की भावना से भाजपा अंधी होकर काम कर रही है, जिसके कारण लोकतंत्र की अपूरणीय क्षति हो रही है, ऐसी टिप्पणी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने की है।

वृद्ध महिलाओं की समग्र स्थिति को चिंताजनक

मुंबई, माता-पिता को खासकर महिला को परिवार का मुख्य स्तंभ माना जाता है लेकिन आज बुजुर्ग महिलाओं की स्थिति चिंताजनक है। हेल्पेज इंडिया की ताजा रिपोर्ट में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि वृद्धावस्था में पहुंची महिलाओं पर उत्पीड़न के मामले १६ फीसदी बढ़ गए हैं। बुजुर्ग होने के बाद उनके सगे बच्चे ही कहर ढा रहे हैं, जिसके चलते अब उन्हें अपने बच्चों पर भरोसा नहीं रहा है। यह स्थिति हिंदुस्थान के लिए कलंक बनती जा रही है। हेल्पपेज इंडिया के एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण पर आधारित यह रिपोर्ट बुधवार को वर्ल्ड एल्डर एब्यूज अवेयरनेस डे की पूर्व संध्या पर जारी की गई। इस रिपोर्ट में वरिष्ठ नागरिकों, विशेषकर वृद्ध महिलाओं की समग्र स्थिति को चिंताजनक बताया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल के दिनों में महिलाओं के खिलाफ शारीरिक हिंसा में काफी इजाफा हुआ है। लगभग ५० प्रतिशत बुजुर्ग महिलाओं ने उत्पीड़न का अनुभव किया, जबकि ४६ प्रतिशत ने कहा कि उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा ठाणे स्टेशन

मुंबई, वर्तमान में ठाणे रेलवे स्टेशन पर जहां काफी भीड़ होती है, वहीं भीड़ की तुलना में रेलवे प्लेटफॉर्म बेहद छोटे हैं। भीड़ अधिक होने के कारण यात्रियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यात्रियों की इसी समस्या के समाधान के लिए ठाणे रेलवे स्टेशन का कायापलट करने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद राजन विचारे पिछले कई वर्षों से ठाणे रेलवे स्टेशन की कायापलट करने की मांग कर रहे थे। आखिरकार, उनकी मेहनत रंग लाई और ठाणे रेलवे स्टेशन के कायापलट का काम शुरू कर दिया गया है। इस नए ठाणे रेलवे स्टेशन को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इतना ही नहीं, यात्रियों के लिए ठाणे रेलवे स्टेशन पर मॉल, शॉपिंग सेंटर की व्यवस्था होगी।

वर्तमान में ठाणे रेलवे स्टेशन पर मौजूद प्लेटफॉर्म से रोजाना ७ लाख यात्री यात्रा करते हैं। ठाणे शहर की जनसंख्या तेजी से बढ़ने की वजह से यात्रियों की भीड़ का भार ठाणे रेलवे स्टेशन पर पड़ रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, नया ठाणे रेलवे स्टेशन १० लाख यात्रियों का भार उठा सकता है।

ठाणे रेलवे स्टेशन पर बड़े प्लेटफॉर्म सहित ३ मंजिला इमारत का कार्य प्रस्तावित है, वहीं तीन मंजिला इमारत में यात्रियों के लिए शॉपिंग की व्यवस्था होगी। इन सभी कार्यों के लिए कुल ९८३ करोड़ रुपए की निधि मंजूर की गई है।

नियम तोड़नेवाले वाहन चालकों से चुन-चुनकर जुर्माना वसूला जाएगा

ठाणे, ठाणे में ट्रैफिक पुलिस ने सिग्नल-सिग्नल पर फ्लैश डिप्लोइंग अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस फ्लैश डिप्लोइंग के माध्यम से नियम तोड़नेवाले वाहनचालकों से चुन-चुनकर जुमार्ना वसूला जाएगा। लेकिन आम ठाणेकर सवाल कर रहे हैं कि जब जन-जन से जुमार्ना वसूला जा रहा है तो सड़कों को क्यों सुधारा नहीं जा रहा? वहीं आम ठाणेकरों ने सरकार से सड़कों को सुधारने की मांग की है।

बता दें कि मुख्यमंत्री के ठाणे शहर में ठाणे मनपा और एमएमआरडीए द्वारा सड़क मरम्मत कार्य किया जा रहा है। ठाणे मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर ने सड़क मरम्मत करनेवाले ठेकेदारों को ३१ मई तक सड़क मरम्मत कार्य पूर्ण करने का आदेश दिया था। ३१ मई को बीते अब १५ दिन हो चुके हैं, इसके बावजूद सड़क मरम्मत कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है। ऐसे में आम ठाणेकरों को बरसात के मौसम में सड़क की खराब अवस्था के कारण अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। हाल ही में ठाणे मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर ने फिर से ठेकेदारों को नोटिस भेजकर ४८ घंटे के भीतर सड़क मरम्मत कार्य पूर्ण करने की हिदायत दी है।

फ्लैश डिप्लोइंग ट्रैफिक पुलिस की स्पेशल टीम द्वारा की जानेवाली कार्रवाई है। इस कार्रवाई के तहत अचानक किसी भी चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों की स्पेशल टीम को भेजकर नियम तोड़नेवाले वाहनचालकों पर कार्रवाई की जाती है।

मुंबई के स्कूल में अजान, शिवसैनिकों की चेतावनी

अब शिवसेना की स्टाइल में मिलेगा जवाब

मुंबईः महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के स्कूल में बच्चों को अजान पढ़ाने का मामला सामने आया है. आरोप है कि स्कूल में सुबह प्रार्थना के समय बच्चों को अजान पढ़ाया जा रहा था. मामला मुंबई के कांदिवली पश्चिम स्थित महावीर नगर का है. इस घटना की जानकारी होने पर शिवसेना के कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया. इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है. बावजूद इसके शिवसैनिकों का आक्रोश अभी ठंडा होने का नाम नहीं ले रहा.

जानकारी के मुताबिक महाबीर नगर एक हिन्दू बाहुल्य इलाका है और यहां स्थित कपोल विद्यानिधि इंटरनेशनल स्कूल में ज्यादातर हिन्दू बच्चे ही पढ़ने आते हैं. आरोप है कि इस स्कूल में कई दिनों से बच्चों को सुबह प्रार्थना के वक्त माइक और स्पीकर लगाकर अजान पढ़ाया जा रहा था. किसी बच्चे के जरिए ही मामले की जानकारी उनके परिजनों को मिली और फिर परिजनों ने इसकी जानकारी

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना को दिया. इसके बाद दर्जनों की संख्या में शिवसैनिक स्कूल में पहुंच कर हंगामा करने लगे. बताया जा रहा है कि इस एरिया में पहली बार इस तरह का मामला सामने आया है. की वारदात सामने आई है. हालांकि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात को संभालने की कोशिश की है. स्कूल में हंगामा कर रहे शिवसैनिकों ने आरोप लगाया कि यह बहुत बड़ा षड़यंत्र है और इस स्कूल में एक साजिश के तहत हिन्दू बच्चों के धर्मांतरण की कोशिश की जा रही है. उधर, पुलिस ने बताया कि इस तरह की घटना पहले कभी नहीं हुई. दरअसल इस स्कूल में एक मुस्लिम टीचर है और उसी ने इस तरह की हरकत की है.

मामला गर्म होने और हंगामा शुरू होने के बाद स्कूल प्रशासन अब बचाव की मुद्रा में आ गया है. स्कूल प्रशासन ने शिवसैनिकों और बच्चों के परिजनों से माफी मांगी है. भरोसा दिया है कि इस तरह की गलती दोबारा नहीं होने दी जाएगी. उधर, शिवसैनिकों का कहना है कि इस या किसी अन्य स्कूल में इस तरह की दूसरी घटना हुई तो इसका जवाब शिवसेना की स्टाइल में दिया जाएगा. उधर, डीसीपी अजय बंसल ने घटना की पुष्टि की. कहा कि इस तरह की शिकायत आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. इस मामले में जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

पानी कटौती को लेकर बढ़ी टेंशन, बारिश में हो रही देरी से बिगड़ी स्थिति

मुंबईः अरब महासागर में उठे बिपरजॉय चक्रवात के कारण मुंबई में बारिश आधा जून खत्म होने के बाद भी नहीं पहुंच पाई है। मुंबई को पानी की आपूर्ती करने वाली झीलो में रिजर्व कोटे समेत सिर्फ 16% पानी बचा हुआ है। यह पानी अगले 48 दिन तक ही मुंबई की प्यास बुझा सकता है। बारिश में और देरी हुई तो पानी का ज्याजा लेकर जून के अंत में मुंबई में 10 से 15 फीसदी पानी कटौती की जाएगी। इटउ प्रशासन ने इस बारे में जानकारी दी है।

मुंबई को पीने का पानी की आपूर्ति तानसा, मोडकसागर, मध्य वैतरणा, अपर वैतरणा, भातसा, विहार और तुलसी इन सात झीलों से रोजाना 3850 दशलक्ष लीटर द्वारा की जाती है। सालभर मुंबई की जनता की प्यास बुझाने को इन 7 झीलों में 14 लाख 47 हजार 363

दशलक्ष लीटर पानी की जरूरत होती है। मौजूदा समय में इन 7 झीलो में सिर्फ.16% फीसदी यानी 2 लाख 50 हजार 691 दशलक्ष लीटर पानी ही बचा हुआ है।

पिछले साल पूरे जून में बारिश नहीं हुई थी तब पानी का स्टॉक 11% नीचे जा चुका था ऐसे में 27 जून से मुंबई में 10% पानी कटौती बीएमसी ने लागू कर दी थी लेकिन जुलाई के शुरूआत से मुंबई समेत झील वाले इलाकों में दमदार बारिश की शुरूआत हुई थी और झीलों में 25% पानी जमा हुआ था जिसके बाद 12 दिन में पानी कटौती को वापस ले लिया गया था। दरअसल सात झीलों में सिर्फ. 8.90% यानी 1 लाख 28 हजार 873 दशलक्ष लीटर पानी मौजूद है यह स्टॉक काफी कम है लेकिन राज्य सरकार की भातसा और अपर वैतरणा झील का रिजर्व कोटा इस्तेमाल करने की इजाजत मिलने के बाद कुल पानी का स्टॉक 16% तक पहुंच गया फि लहाल इन दोनों झिलो से रोजाना 150 दशलक्ष लीटर पानी रोज मिल रहा है।

भिवंडी में तीन दिन में इतनी मोटरसाइकिल चोरी, केस दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच

भिवंडी : भिवंडी पुलिस उपायुक्त नवनाथ ढवले द्वारा सभी पुलिस अधिकारियों को चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश के बाद भी भिवंडी में वाहन चोरी की घटनाओं पर विराम नहीं लग रहा है। विगत तीन दिन में ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों में करीब एक दर्जन मोटरसाइकिल चोरी होने की घटनाएं प्रकाश में आई है। मोटरसाइकिल चोरी की बढ़ती घटनाओं से नागरिकों में वाहनों की सुरक्षा को लेकर चिंता फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार, विगत तीन दिनों में भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन अंतर्गत तीन मोटरसाइकिल, निजामपुरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल, नारपोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र से चार मोटरसाइकिल और शांति

नगर पुलिस स्टेशन सीमा अंतर्गत से दो मोटरसाइकिल सहित कुल 10 मोटरसाइकिल, स्कूटी चोरी होने की घटना घटित हुई है।

इन इलाकों से हुई बाइक की चोरी

भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन की हद कणेरी निवासी अनिता चेतन कुमार पटेल की केटीएम मोटरसाइकिल, फेना पाडा निवासी राहुल अजय सिंह की शाईन मोटरसाइकिल और पदमा नगर निवासी मारूती चंद्रकांत पारेकर की शाईन मोटरसाइकिल को अज्ञात चोर लेकर रफूचक्कर हो गए है।

बाइक चोरी की अन्य घटना में आरिफ गार्डेन के पास, नुरशाह होटल के सामने से गैबीनगर निवासी तौसिफ अहमद चांद पाशा शेख की युनिकान मोटरसाइकिल, नारपोली पुलिस स्टेशन हद से उल्हासनगर निवासी राहुल राजाराम कांबले की स्प्लेंडर डीलक्स मोटरसाइकिल, काल्हेर गांव निवासी बबलू हरिलाल जयसवाल की बजाज डिस्कबर मोटरसाइकिल और शांति नगर पुलिस स्टेशन परिसीमा से टेमघर के रहने वाले यश सुरेश गवारे की सुजुकी कंपनी की मोटरसाइकिल तथा सलामतपुरा नागांव के रहने वाले मोहम्मद अजमल सगीर अहमद अंसारी की सुजुकी बर्गमैन स्ट्रीट मोटरसाइकिल को अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया है। स्थानीय पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। जिसकी आगे की जांच पुलिस कर रही है।

लिव-इन पार्टनर के शव के टुकड़े करने वाले मनोज की 22 जून तक पुलिस रिमांड बढ़ी

मुंबई : महाराष्ट्र से मिली एक खबर के अनुसार, यहां के ठाणे कोर्ट ने 56 साल के आरोपी मनोज साहनी को आगामी 22 जून तक पुलिस कस्टडी में भेजा है। दरअसल उस पर 32 साल की अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या और उसके शव के कई टुकड़े करने का संगीन आरोप है। जानकरी दें की, मुंबई के मीरा रोड की आकाशगंगा सोसाइटी में एक महिला की लिव-इन पार्टनर ने गला रेतकर हत्या कर दी थी और सबूत मिटाने के लिए शव के टुकड़े कर उसे कुकर में उबाल दिया था। पुलिस ने मौके से महिला के शव के कई टुकड़े बरामद किए थे। महिला सोसाइटी में 56 साल

के आरोपी मनोज साहनी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था।

इतना ही नहीं आरोपी मनोज साहनी ने बाद में पुलिस को बताया था कि उसे अपनी प्रेमिका के चरित्र पर शक कर था। इसके चलते वह सरस्वती की पिटाई करता था। पिटाई से तंग आकर सरस्वती वैद्य ने जहर पी लिया था। वहीं मनोज साहनी ने दावा किया कि उसकी लिव इन साथी सरस्वती वैद्य ने 4 जून को जहर जान दे दी थी। वहीं इस बात के डर से कि कहीं सरस्वती को आमहत्या के लिए उकसाने का इल्जाम उसके ऊपर न आए इसलिए उसने लाश के टुकड़े कर दिए थे और फिर उन्हें ठिकाने लगाने की गरज से कुकर में उबाल दिया था।

तलोजा और नावडे के विकास पर सिडको खर्च करेगी इतने हजार करोड़ रुपए

नवी मुंबई : सिडको द्वारा तेजी से विकसित किए जा रहे खारघर नोड के बाद अब तलोजा और नावड़े नोड का विकास किया जाएगा। खारघर की तरह इस नोड को पॉश बनाने का काम किया जाएगा। इस नोड पर सिडको ने 17 हजार करोड़ रुपए खर्च करने की योजना बनाई है। मिली जानकारी के अनुसार, इस नोड में सिडको कई नई परियोजनाएं भी शुरू करने वाली है। तलोजा और नावड़े नोड में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का निर्माण किया जाएगा। नावडे में ही सिडको मध्यमवर्गीय लोगों के लिए 25 हजार घरों का निर्माण करने की योजना तैयार की है।

जानकारी के अनुसार, इस योजना पर जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा। सिडको के नए प्रबंध निदेशक अनिल डिग्गीकर ने उन्हों योजनाओं को आगे बढ़ाने की शुरूआत की जो प्रबंध निदेशक संजय मुखर्जी द्वारा तैयार की गयी थी। नए प्रबंध निदेशक अनिल डिग्गीकर का कहना है कि तलोजा और नावडे में चरणबद्ध तरीके से काम किया जाएगा।

सुविधाओं का अभाव

गौरतलब है कि तलोजा नोड खारघर से एकदम लगा हुआ नोड है, किन्तु जिस तरीके से खारघर का विकास तेज गति से किया गया और वहां पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर बल दिया गया उस हिसाब से तलोजा का विकास नहीं किया गया। तलोजा के एक बड़े भू-भाग पर एमईएडीसी परिसर भी है, जहां पर बड़ी संख्या में छोटी बड़ी कारखाने हैं। पिछले कुछ सालों में निजी भवन निमार्ताओं ने तलोजा और नावडे में इमारतों का निर्माण तो किया है, लेकिन उन जहां पर इमारतों का निर्माण हुआ है उन क्षेत्रों में सुविधाओं का अभाव है जिसकी वजह से निजी भवन निमार्तों की कोई भी परियोजना सफल नहीं हो पा रही है। तलोजा परिसर में घरों कीमत कम होने के बावजूद लोग वहां जाने के लिए तैयार नहीं है।

नावडे में पीएम आवास योजना के तहत घरों का निर्माण

गौरतलब है कि सिडको ने भी नावडे में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का निर्माण कर रही है इसके साथ-साथ इसी परिसर में मध्यमवर्गीय लोगों के लिए घर बनाने की योजना तैयार की है। सिडको द्वारा बनाए जाने वाले घर लोग फरीदे इसके लिए इस परिसर में सुविधा उपलब्ध कराने की योजना सिडको द्वारा तैयार की गयी है।

जल्द शुरू होंगी कई परियोजनाएं...

उल्लेखनीय है कि तलोजा और नावडे परिसर में रहने वालों को बड़े पैमाने पर पेयजल संकट का सामना करना पड़ता है। कई जगहों पर टैंकर के माध्यम से पानी की सप्लाई की जाती है। तलोजा परिसर में बनी कई सोसायटियों के लोग टैंकर के पानी पर निर्भर हैं। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए विकास करने के उद्देश्य से एक योजना सिडको द्वारा तैयार की गयी है। इन दोनों नोड्स में सिडको द्वारा खेल के मैदान, शैक्षणिक संस्थान, अच्छी कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दे रही हैं। सिडको का कहना है कुछ परियोजनाएं शुरू की जा चुकी हैं और कुछ परियोजनाओं पर जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा।

मुंबई लोकल ट्रेन में छात्रा का यौन उत्पीड़न, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई में एक व्यक्ति को सेंट्रल लाइन पर चलती लोकल ट्रेन में एक छात्रा का यौन उत्पीड़न

करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह घटना बुधवार को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और मस्जिद स्टेशन के बीच उस समय हुई, जब छात्रा लोकल ट्रेन से अपने घर जा रही थी। अधिकारी के मुताबिक, छात्रा जब डिब्बे में अकेली थी, तब आरोपी ने कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने बताया कि छात्रा की शिकायत के आधार पर सीएसएमटी रेलवे पुलिस थाना में उक्त व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-376 (दुष्कर्म) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी के अनुसार, राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की कई टीमों ने तकनीकी इनपुट पर काम करने के साथ ही निगरानी कैमरों में कैद फुटेज का विश्लेषण कर आरोपी का पता लगाया। उन्होंने बताया कि आरोपी को बुधवार रात गिरफ्तार कर लिया गया।

चक्रवात 'बिपरजॉय' के मद्देनजर कुछ ट्रेनें हुई रद्द...!

मुंबई : पश्चिम रेलवे द्वारा गुजरात में 'बिपरजॉय' चक्रवात के मद्देनजर चक्रवात संभावित क्षेत्रों में एहतियाती उपाय के रूप में कुछ ट्रेनों को आंशिक रूप से निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त, पश्चिम रेलवे द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इन संभावित क्षेत्रों के ट्रेन यात्रियों के लिए विविध संरक्षा और सुरक्षा सावधानियां भी बरती जा रही हैं। मौजूदा नियमानुसार रिफंड स्वीकार्य होगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अब 23 ट्रेनों को निरस्त, 3 ट्रेनों को शॉर्ट-टर्मिनेट तथा 7 ट्रेनों को शॉर्ट ओरिजिनेट किया जाएगा। इसके साथ, चक्रवात बिपरजॉय के मद्देनजर यात्रियों और ट्रेन संचालन में सुरक्षा के संबंध में एहतियाती उपाय के तौर पर 99 ट्रेनों को निरस्त, 39 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट, जबकि 38 ट्रेनों को शॉर्ट ओरिजिनेट किया जाएगा।

इन लोगों के जीवन में

आएगा बड़ा तूफान

शनि के साथ राहु-केतु में चलेंगे उल्टी चाल

सभी ग्रहों में शनि सबसे धीमी गति से चलने वाला ग्रह माना जाता है। साल 2023 की शुरूआत 17 जनवरी में ही 30 साल बाद स्वराशि कुंभ में प्रवेश किया है और 17 जून को कुंभ राशि में शनि वक्री होने जा रहे हैं। और शनि के साथ वक्री होंगे राहु-केतु। इसका प्रभाव इन 4 राशियों पर विशेष रूप से देखने को मिलेगा। इन 4 राशि वालों को खास रूप से सावधान रहना होगा।

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार 17 जून शनिवार के दिन शनि कुंभ राशि में उल्टी चाल यानी वक्री होने जा रहे हैं। बता दें कि शनि अपनी ही राशि में 6 माह के लिए वक्री हो रहे हैं। ऐसे में शनि के साथ-साथ दो अन्य ग्रह अक्टूबर तक वक्री चाल चलेंगे। आने वाले 6 महीने 3 ग्रहों की उल्टी चाल रहने वाली है। ग्रहों की इस चाल का प्रभाव सिंह समते इन 4 राशियों पर विशेष रूप से देखने को मिलेगा। इन लोगों को सेहत, करियर और आर्थिक मामलों में बेहद सावधान रहना होगा।

कर्क राशि- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि के साथ राहु-केतु के वक्री होन से कर्क राशि वालों को अगले 6 महीने तक अपने करियर के साथ साथ सेहत का भी खास ख्याल रखना होगा। इतना ही नहीं, इन राशि के लोगों के लिए आर्थिक मामले भी कष्टकारी रहेंगे। आकस्मिक धनलाभ के योग बनते नजर आ रहे हैं। जिन लोगो पर लोन या कर्ज चल रहा है, उनके ऊपर दबाव बढ़ेगा। नौकरी में उलझन और तनाव बढ़ेगा। जीवनसाथी की सेहत का खास ख्याल रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव बढ़ेगा।

सिंह राशि- इस राशि के लिए ये 3 ग्रहों का वक्री होना प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। मेहनत के अनुरूप फल न मिलने से निराशा बनी रहेगी। नौकरी से मन भटकेगा। वहीं, नई नौकरी के लिए मन में उथल-पुथल मचेगी। इस दौरान जहां भी जाएंगे वहां मानसिक शांति नहीं मिलेगी। ऐसे में सोच-समझकर ही बड़ा फैसला लें। व्यापारियों का धन अटक सकता है। किसी कानूनी मामले में तनाव मिलेगा। इस दौरान आपको जोखिम काम करने से बचना चाहिए।

वृश्चिक राशि- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस राशि वालों के लिए भी आने वाले 6 महीने बेहद भारी रहने वाले हैं। इस दौरान संभलकर चलें। पारिवारिक मामलों के साथ-साथ करियर और आर्थिक मामलों में भी शनि राहु और केतु समस्याएं पैदा करेंगे। सेहत का बेहद ध्यान रखने की जरूरत है। ऐसे में सेहत के साथ जरा सी लापरवाही आपके लिए समस्या उत्पन्न कर सकती है। कारोबारियों को पैसों की तंगी से जूझना पड़ सकता है। पार्टनरशिप में काम कर रहे लोगों के बीच मतभेद हो सकता है। इस समय कागजों के बिना आर्थिक लेन-देन न करें।

मीन राशि- ज्योतिषीयों के अनुसार मीन राशि वाले इस समय साढ़ेसाती के प्रथम दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में 3ग्रहों का वक्री होकर गोचर करना मीन राशि वालों के लिए मानसिक और आर्थिक कष्ट देगा। मन में किसी बात को लेकर वहम हो सकता है। जीवनसाथी के साथ कहासुनी और तालमेल की कमी से घर का माहौल अशांत होगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर ज्यादा धन खर्च होगा। पुरानी समस्या फिर से सामने आ सकती है।

हवाई फायर मारपीट आपसी विवाद के बीच नगर परिषद के वार्ड 18 में 1075 मतदाताओं ने डाले वोट

जौरा। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड 18 में पार्षद पद के लिए हुए उपचुनाव में हवाई फायर मारपीट आपसी विवाद के बीच 1075 मतदाताओं ने वोट डाले 13 जून को नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड 18 में पार्षद पद के लिए उपचुनाव में प्रातः 7:00 बजे से वोट डालने का सिलसिला प्रारंभ हुआ 11:00 बजे तक वोट डालने वालों महिला एवं पुरुष मतदाताओं की लंबी लाइन भी देखी गई 12:00 से 3:00 तक मतदान धीरे धीरे चलता रहा 4:00 बजे के लगभग कुछ मतदाता वोट डालते हुए नजर आए भीषण गर्मी के बावजूद महिला मतदाताओं में वोट डालने का जुनून भी नजर आया 1686 मतदाताओं में से दोनों मतदान केंद्रों पर 1075 मतदाताओं ने अपने अपने वोट डाले इसी बीच मतदान केंद्र से बाहर कांग्रेस एवं भाजपा के समर्थकों में झड़प आपसी बहस भी होती रही हालाकी एसडीओपी रितु केब रे के साथ इंस्पेक्टर आशीष राजपूत प्रवीण त्रिपाठी पूरे पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभाले हुए थे

अनुविभागीय अधिकारी अरविंद माहौर व्यवस्थाओं को देखते रहे मतदान के दौरान एमएस रोड पर कांग्रेस एवं भाजपा के समर्थकों में कई बार अंदर बाहर जाने को लेकर झड़ते भी होती रही कांग्रेस की तरफ से पूर्व विधायक महेश दत्त मिश्र ब्लॉक अध्यक्ष मनोज सिंह गुर्जा पंकज उपाध्याय रवि उपाध्याय मुरारीलाल अमर दिनेश पाराशर रूपेंद्र सिंह काफी संख्या में कार्यकर्ता थे वहीं भाजपा की तरफ से मंडल अध्यक्ष पंकज गुप्ता नगर परिषद अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी अन्य कार्यकर्ता के साथ मौजूद रहे बॉक्स क्राइम ब्रांच आई पकड़ने मतदान से 1 दिन पूर्व 12 जून की रात को नगर में क्राइम ब्रांच टीम आई थी

चर्चाएं यह सुनी जा रही है कि उक्त क्राइम ब्रांच की टीम सत्ताधारी दल के नेताओं के दबाव में कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं को पकड़ने का प्रयास भी किया लेकिन कार्यकर्ता उन्हें घर पर नहीं मिले इसी बीच वार्ड में भाजपाइयों द्वारा रुपए बांटने की खबरों पर कांग्रेस के पंकज उपाध्याय द्वारा अधिकारियों को सूचना दी गई तो अधिकारियों द्वारा उनके फोन रिसीव नहीं किए गए जिसके चलते उपाध्याय द्वारा रात 3ः00 बजे जाकर एक सैकड़ा लोगों के साथ थाने पर जाकर धरना भी दिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज सिंह जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राकेश यादव का कहना है कि पार्षद पद के इस उपचुनाव में सत्ताधारी भाजपा के लोगों द्वारा वार्ड में रुपए बांटे गए हैं रुपए बांटने से रोकने पर जब कांग्रेस कार्यकर्ता रात में वार्ड में पहुंचे तो उल्टी भाजपाइयों द्वारा कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को क्राइम ब्रांच से पकड़वाने का प्रयास भी किया कुल मिलाकर कांग्रेसियों का आरोप है कि सत्ता के मद में भाजपा द्वारा इस पार्षद के चुनाव में सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया है।

प्रकरण में एसडीएम अरविंद माहोर का कहना है कि हवाई फायर का आवेदन थाने में देने की जानकारी मिली है पूरे मामले की जानकारी ले रहा हूं वही एसडीओपी रितु कैमरे का कहना है कि हम बराबर पूरे समय मतदान केंद्र पर उपस्थित रहे हैं मारपीट हवाई फायर आवेदन सूरज नामक व्यक्ति द्वारा किया गया है जिसकी जांच कराई जा रही है मतदान केंद्र के आसपास पूरी तरह से शांतिपूर्ण माहौल रहा है।

हवाई फायर कर दिया है आवेदन

वार्ड 18 में मतदान के दौरान पगारा रोड पर मारपीट कर हवाई फायर का आवेदन भी एक व्यक्ति द्वारा दिया गया है गे परी निवासी सूरज जाटव ने थाना प्रभारी को दिए आवेदन में लिखा है कि 13 जून को मैं अपनी मामी मालती को जौरा के वार्ड 18 पर मतदान केंद्र ले जा रहा था सभी पगारा रोड पर एक सफेद स्कॉर्पियो जिस पर एमएलए लिखा था जिसमें पंकज गुप्ता एवं उनके साथ तीन चार लोग बैठे थे उन्होंने मुझे रोक कर मुझे जातिसूचक गाली देकर रोड पर डालकर लात भूतों से मारपीट की एवं पिस्टल से फायर कर जान से मारने की धमकी दी तभी मेरी भाभी कायल जाटव मिथिलेश ने आकर बीच-बचाव किया घटना पार्वती जाटव द्वारा देखी गई है मेरे साथ घटित घटना पर उक्त लोगों के विरुद्ध कार्यवाही की जावे वहीं प्रकरण में भाजपा मंडल अध्यक्ष पंकज गुप्ता का कहना है कि उक्त आवेदन मनगढ़ंत दिया गया है मेरे द्वारा किसी की मारपीट नहीं की गई है ना ही किसी से झगड़ा हुआ है।

भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ की कामकाजी बैठक संपन्न

मुरैना। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर 12 जून सोमवार को भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ की कामकाजी बैठक संपन्न हुई। जिसमें मुख्य रूप प्रदेश सह संयोजक विक्रम सिकरवार उपस्थित रहे पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक में शिक्षक समाज को अधिक से अधिक जोड़ने पर जोर दिया गया।

विक्रम सिकरवार ने कहा कि विधानसभा चुनाव में शिक्षकों की बहुत बड़ी भूमिका होगी, क्योंकि समाज को नई दिशा देने का काम शिक्षक समाज करता है। शिक्षक यह भली भांति सोच समझकर तय करें की राष्ट्र के साथ कौन है और राष्ट्र के विरुद्ध कौन है। हमें यह भी तय करना है कि कौन सी पार्टी राष्ट्रहित व जनहित में काम कर रही है। ऐसे में विगत की सरकारों से अगर समीक्षा की जाए तो नरेन्द्र मोदी व शिवराज की सरकार ने चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, स्वास्थ्य का क्षेत्र हो, किसान की समस्या हो या जनहित के क्षेत्र में किए गए सभी कार्य अत्यंत ही सराहनीय हैं इसलिए हम सभी शिक्षकों को समाज को जागरुक करते हुए आने वाले विधानसभा चुनाव में एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनाने के लिए कहना होगा।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला संयोजक राधामोहन शर्मा ने कहा कि पार्टी द्वारा अभियान चलाया जा रहा है जिसमें 27 मंडल संयोजक घोषित किये जायेंगे 1 जुलाई से 30 जुलाई तक वृक्ष रोपण का कार्यक्रम चलेगा कार्यक्रम का संचालन जिला सह संयोजक रजत परिहार ओर आभार व्यक्ति मिलिंद वर्मा ने किया इसमे चक्रेश मिश्रा जिला कार्यालय मंत्री राजेश सिकरवार उपस्थित रहे।

किसानों की आवश्यकता की पूर्ति के लिये मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिये बन रही वरदानः जिला पंचायत अध्यक्ष

सिंगल क्लिक के माध्यम से मुरैना जिले के 13545 कृषकों को 10.30 करोड़ रूपये की राशि हस्तातंरित

मुरैना । केन्द्र व राज्य सरकार अन्नदाता के प्रति गंभीर है। सरकार की मंशा है कि अन्नदाता सुख, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बने, इसके लिये भरसक प्रयास किये जा रहें है। मंगलवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 2900 करोड़ रूपये का भुगतान और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 1400 करोड़ रूपये का भुगतान सिंगल क्लिक के माध्यम से किया है। यह कार्यक्रम प्रदेश के राजगढ़ जिले के मोहनपुरा गांव से केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से हस्तांतरित की है। यह बात जिला स्तरीय कार्यक्रम में टाउनहॉल मुरैना में जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती आरती गुर्जर ने संबोधित करते हुये कही।

मुख्यमंत्री जी द्वारा एक क्लिक पर किसानों को हस्तांतरित राशि में मुरैना जिले के 13 हजार 545 कृषक है, जिनको 10.30 करोड़ रूपये की राशि हस्तांतरित की गई है।इस अवसर पर पूर्व मंत्री मुंशीलाल, समाजसेवी बनवारी लाल शुक्ला, सोनू शर्मा, बल्लभ डंडोतिया, अपर कलेक्टर नरोत्तम भार्गव, कृषि विभाग के सहायक संचालक अनंत सड़ैया, सीसीबी भदौरिया, डीआर श्रीमती अनुभा सुद सहित जिले के कृषक उपस्थित थे।

जानकारीः प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरुआत फरवरी 2016 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई। फसल बीमा किसानों की फसलों से जुड़े जोखिम की वजह से हो सकने वाले नुकसान से रक्षा करने का माध्यम है। इससे किसानों कोअचानक आये जोखिम या खराब मौसम से फसल को हुए नुकसान की भरपाई की जाती है। यह योजना खरीफ2016 से फसल क्षति से कृषकों को होने वाली हानि को काफी सीमा तक मदद कर रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत कृषकों को खरीफ फसलों के लिये बीमाधन का 2 प्रतिशत, रबी फसलों के लिये 1.5 प्रतिशत तथा बागवानी फसलों और व्यावसायिक फसलों के लिये 5 प्रतिशत प्रीमियम देना होता है। यह योजना ऋणी एवं अऋणी दौनों प्रकार के कृषकों के लिये है। अऋणी कृषक अपनेनजदीकी बैंक या कॉमन सर्विस सेन्टर पर जाकर अपनी फसल का बीमा करा सकते हैं। वहीं पहले ऋणी कृषकों के लिये यह योजना अनिवार्य थी। वर्ष 2020 के बाद इसे स्वैच्छिक कर दिया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा करा चुके कृषकों को फसल में यदि कोई नुकसान होता है तो उन्हें 72 घण्टे के अन्दर बीमा कंपनी को सूचना देनी होती है। इस योजना के तहत वही किसान लाभ ले सकते हैं, जिनका नुकसान स्थानीय आपदा एवं प्राकृतिक आपदा से हुआ हो। मानव निर्मित आपदा जैसे आग लगना, चोरी होना आदि, इस योजना में शामिल नहीं है। इस योजना के तहत मुरैना जिले में खरीफ2021 में 11339 तथा रबी 2021-22 में 12648 किसानों का बीमा किया गया था। कुल 23987 किसानों को बीमा किया गया था। जिसमें से जिले के 13545 कृषकों को 103018265 (10.3 करोड़) रूपयें के दावा राशि कृषको को सिंगल क्लिक के माध्यम से उन बैंक खातो में भेजा गया।

मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना - 2023

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश शासन द्वारा 11 मई 2023 से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के ऐसे डिफाल्टर किसान जिन पर 31 मार्च 2023 की स्थिति पर मूलधन एवं ब्याज मिलाकर 2.00 दो लाख रूपये तकफसल ऋण बकाया है, उन किसानों का संपूर्ण ब्याज शासन द्वारा माफकर समितियों को ब्याज की प्रतिपूर्ति मध्यप्रदेश सरकार करेगी। प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना में समितियों के पात्र किसानों से मात्र एक आवेदन लेकर उसमें आधार कार्ड नंबर अथवा आधार कार्ड न होने पर वोटर कार्ड नंबर लेकर योजना का लाभ किसानों को पहुंचाया जा रहा है।

रिश्तों को निभाने की जिम्मेदारी सिर्फ उनकी ही नहीं....

भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में पारिवारिक रिश्तों को निभाने की जिम्मेदारी सिर्फ घर की बहू पर नहीं होती, अपितु घर के बुजुर्ग अर्थात् बहू के सास-ससुर और पति पर भी होती है। वर्तमान में ज्यादातर घरों में आने वाली बहुएँ नौकरीपेशा हैं अर्थात् वे स्वयं अपने पैरों पर खड़ी हैं ऐसे में उनका पूरे घर की जिम्मेदारी लेना कुछ मुश्किल पैदा करता है, जिसके चलते घरों में कलह का वातावरण पैदा होता है और रिश्तों में दरार आने लगती है।

कई बार छोटी-छोटी बातों पर जब उसे इस बात का अहसास कराया जाता है कि यह घर उसका अपना नहीं है तो वह यह बर्दास्त नहीं कर पाती। ऐसे में वह किसी की परवाह किए बगैर घर के बड़े-बुजुर्गों को जवाब देने से पहले नहीं सोचती है। पुरुष चाहे तो घर में इन मतभेदों को आसानी से होने से पहले ही रोक सकते हैं। लेकिन इसके बारे में कोई समझ न होने की वजह से वह पत्नी और घर वालों के झगड़े में पिसते रहते हैं।

यह भी देखा गया है कि लडक़ी के माता-पिता की लडक़ी के ससुराल में ज्यादा दखलंदाजी के चलते भी रिश्तों में दरार आने लगती है। इन हालात में लडक़ी ससुराल वालों के साथ स्वयं को समाहित नहीं कर पाती है, नतीजा परिवार की टूटने के तौर पर सामने आता है। कुछ ऐसे हालात पैदा होते हैं जिनके चलते बहू अपने सास-ससुर को पसन्द नहीं कर पाती है। इन हालातों में कोई भी कदम उठाने से पहले पति को उन कारणों पर नजर डालनी चाहिए जिनके चलते रिश्तों में कड़वाहट पैदा हुई है।

यदि आपकी पत्नी आपके माता-पिता को पसंद नहीं करती है, तो इसके पीछे कोई न कोई कारण अवश्य होगा। सबसे पहले उस कारण को जानने का प्रयास करें। ऐसा करने से आपको माता-पिता और पत्नी के बीच के रिश्ते को ठीक करने का रास्ता आसानी से समझ आ जाएगा।

लेकिन इस कारण को जानने के लिए आप पहले से ही अपने मन में कोई पूर्वाग्रह लेकर न बैठे। पत्नी को अपनी बात सामने रखने का मौका जरूर दें।

माता-पिता और पत्नी को बराबर रखकर सोचें

ज्यादातर महिलाएँ अपने सास-ससुर से उस समय नफरत करने लगती हैं, जब उन्हें यह महसूस होता है कि वह पति को उसके खिलाफ भड़का रहे हैं। या उससे दूर रखने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में पुरुष की जिम्मेदारी है कि वह घर में इस तरह की गलतफहमी को पैदा होने का मौका न दे। पत्नी और माता-पिता को समान रूप से अहमियत और समय दे।

सिर्फ माता-पिता का पक्ष न लें

महिला को शादी के बाद अपने ससुराल में केवल अपने पति का ही सहारा होता है। ऐसे में यदि आप हर बात पर अपने माता-पिता का पक्ष लेते रहेंगे तो उसके मन में आपके परिवार को लेकर गलत भावनाएं पैदा होंगी। वहीं, दूसरी ओर हर बात में अपनी पत्नी को सर्वोपरि बताना भी गलत है। हमेशा सही के साथ खड़े रहने का प्रयास करें। इससे दोनों पक्षों में तनातनी कम होगी।

परिवार को पूरा समय दें: पत्नी और माता-पिता के बीच रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है कि आप परिवार को पूरा समय दें। परिवार को लेकर कहीं बाहर घूमने जाएं। साथ में बिताए खुशनुमा पल आपसी मनमुटाव को आसानी से खत्म कर देते हैं। ऐसे में दोनों पक्षों को एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझने का मौका भी मिलता है।

ससुराल वालों को आदर दें: हर पुरुष शादी होते ही अपनी पत्नी को घर में सबकी बात मानने और सबको सम्मान और प्रेम देने का आदेश दे देता है। लेकिन खुद अपने ससुराल वालों की इज्जत तक करना जरूरी नहीं समझते हैं। ऐसे में कई बार महिलाएं भी अपने सास-ससुर के साथ ऐसा ही बर्ताव करने लगती हैं। यदि आप भी यह गलती कर रहे हैं, तो अभी से अपने सास-ससुर को सम्मान देना शुरू कर दें।

पहली बार बच्चा जाएगा स्कूल कुछ ऐसे करें उन्हें तैयार

जब बच्चे पहली बार स्कूल जाते हैं तो बच्चों के साथ-साथ ये माता-पिता के लिए भी मुश्किल होता है। लेकिन यदि आप कुछ चीजों को बच्चे से पहले से सिखाना शुरू करें तो यह आपकी समस्या को काफी हद तक कम सकते हैं। यदि आप भी अपने बच्चे को स्कूल भेजने की तैयारी कर रहे हैं तो जरूरी है कि आप इसके लिए बच्चे को पहले से तैयार करें। बच्चे को स्कूल भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार करना जरूरी है।

बच्चे को खुद खाना लेना सिखाएं

जैसे ही बच्चा ढाई-तीन का साल होता है वैसे ही बच्चे को घर पर स्वयं खाना खाने की आदत डालनी चाहिए। ज्यादातर घर पर इस उम्र के बच्चों को माँ-पिता अपने हाथ से खाना खिलाते हैं। ऐसे में जब बच्चे पहली बार स्कूल में जाते हैं, तो पूरे दिन उनके व्यवहार में चिड़चिड़ापन और गुस्सा भरा होता है। कारण है भूखा रहना। बच्चे अचानक से अपनी आदतों को नहीं बदल पाते। स्कूल में जाकर बच्चे खुद से या टीचर के हाथों खाना खाने के लिए तैयार नहीं होते और परेशान हो जाते हैं। बच्चों को घर पर खुद से खाना लेने की आदत डालें ताकि उन्हें इसकी आदत हो।

बच्चे का रूटीन बनाएं

बच्चे को स्कूल भेजने से पहले उसे वहां के रूटीन के मुताबिक ढालें। बच्चे को सुबह जल्दी उठने की आदत डालें। फिर तय समय तक कुछ एक्टिविटीज के बाद बच्चे को खाने के लिए कुछ दें और फिर एक स्थान पर बिठाकर खेल खिलाएं। शुरुआत में बच्चे प्लेग्रुप में जाते हैं और वहां पढ़ाई के बजाय बच्चे को स्कूल जाने की आदत बनाने पर जोर दिया जाता है। अगर बच्चा पहले से ही उस रूटीन में ढल जाएगा, तो स्कूल जाने के दौरान उसे परेशानी नहीं होगी।

बच्चे को खुद से करने दें अपने काम

पहली बार स्कूल जाने वाले बच्चे अपने माँ-बाप को याद करते हैं। इसका कारण है यह है कि बच्चों को अपना काम खुद करने की आदत नहीं होती है। पहली बार स्कूल जाकर उन्हें अपनी बात रखने में हिचकिचाहट महसूस होती है। इसी कारण से बच्चे डर जाते हैं और उन्हें एंग्जाइटी या तनाव महसूस होता है। ये उनकी सेहत के लिए ठीक नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए बच्चों को अपना काम खुद करने की आदत डालें। उन्हें भोजन खाना या टॉयलेट जाने का तरीका सिखा दें। इससे बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी नहीं होगी।

स्कूल के वातावरण के बारे में बताएं

बच्चे को स्कूल भेजने से पहले ही स्कूल के वातावरण के बारे में बताया जाना चाहिए। उसे घर पर स्कूल भेजने के तीन महीने पहले से ही स्कूल क्या है और वहाँ पर कब, क्या और क्यूं होता है इस बात की जानकारी देनी चाहिए। इससे बच्चे को पहली बार स्कूल जाकर असहज महसूस नहीं होगा। उसे बताएं कि किस तरह वहां जाकर सभी बच्चे एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं, वहां मौजूद टीचर बच्चों को नए-नए गेम्स खिलाती हैं और तमाम बातें बच्चों के सामने रखें। इससे बच्चे स्कूल जाने के लिए उत्सुक होंगे और वहां खुश होकर जाना चाहेंगे।

बच्चे के साथ प्रैक्टिस करें

स्कूल के वातावरण में बच्चे को ढलने में समय लगेगा। लेकिन उसे मानसिक रूप से तैयार करने के लिए बच्चे के साथ आप घर पर अभ्यास कर सकते हैं। जिस तरह स्कूल में सुबह प्रेयर्स, फिर एक्टिविटी, ब्रेक और खेल आदि होता है, ठीक उसी तरह घर पर भी बच्चों के साथ ऐसा करें, उन्हें एक्टिवटीज दें और तय समय तक इन्हें करवाएँ। इससे बच्चे को स्कूल जाकर समस्या नहीं होगी।

इस तरह से करें अपने घर की खाद्य सामग्री को संग्रहित, नहीं पड़ेंगे कीड़े

लेकिन उन्हें इस बात की शिकायत हो रही है कि एकत्रित खाद्य सामग्री में कीट व कीटाणु पड़ जाते हैं। उनके चेहरे पर एक ही सवाल दिखाई देता है कि किस तरह से इस राशन को सुरक्षित रखा जाए। आज हम अपने पाठकों को यह बताने का प्रयास कर रहे हैं किआपके द्वारा खरीदे गए छह माह या साल भर के राशन को आप किस तरह से संरक्षित रख सकती हैं।

धूप में अच्छी तरह सुखाइए

एक साथ लाए गए राशन को अलग-अलग डिब्बों में भरकर रखने से पहले आप सभी अनाज को धूप में अच्छी तरह से सुखा लें। पूरे दिन की तेज धूप में राशन अच्छी तरह से सूख जाएगा, उसके बाद उसे अपने हिसाब से अलग-अलग डिब्बें में बंद करके रख दें।

नमी का रखें विशेष ध्यान

अनाज को धूप में सुखाने के बाद डिब्बों में रखने के बाद आप इन डिब्बों को जिस स्थान पर रख रही हैं उस स्थान को भी अच्छी तरह से जाँच लें। विशेष रूप से नमी को जरूर देंखें। जिस जगह पर राशन को संरक्षित कर रहे हैं, वहाँ पर नमी बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। इस स्थान पर बारिश में सीलन पैदा न हो इसका ध्यान रखना है।

लक्ष्मण रेखा खींचें

अनाज की गंध पर कीट-कीटाणु से पहले चींटियाँ का आगमन होता है। चींटियों की सूंघने की शक्ति सबसे ज्यादा होती है। वो दू से ही अनाज की गंध सूंघ लेती हैं। चीटियं से बचाने के लिए डिब्बों के आसपास चॉक से रेखा खींच दें। यह विशेष चॉक (आम तौ पर इसे लक्ष्मण रेखा चॉक कहा जाता है) बाजार में आसानी से मिल जाती है।

स्टील या कांच के बर्तनों का उपयोग

खाद्य सामग्री को संरक्षित रखने के लि सबसे उपयुक्त स्टील या काँच के बर्तन होत हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इनमें नमी का असर अनाज तक नहीं पहुँचता है खुदा-न-खाश्ता जिस स्थान पर आप राश संरक्षित कर रही हैं वहाँ नमी आ जाती है त भी आपको चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह नमी स्टील व काँच के बर्तनों के अंद नहीं जाती है।

अनाज को साफ करें

अनाज का भंडारण करने से पहले ध्या रखें कि अनाज को साफ कर लें। इसमें से टूटे-फूटे और कीड़े लगे दानों को निकाल दें यदि आप ऐसा नहीं करेंगी तो जिन दानों में कीड़ा लगा है वह धीरे-धीरे करके और दानें में भी लगना शुरू हो जाएगा और पूरा अनाज खराब हो जाएगा।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 17 जून 2023

कमलनाथ बोले- अफसरों पर चर्बी चढ़ी थी, बदलना था

हमारी सरकार सौदे से चली गई; मुख्यमंत्री शिवराज पर कहा- मैं उन्हें नाचने-गाने में नहीं हरा सकता

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और क्क्ष्ट चीफ कमलनाथ ने कहा, हमारी सरकार सौदे से गई। मुझे प्रशासन बदलना था। बहुत सारे अधिकारियों में चर्बी चढ़ी हुई थी। मैंने जब किसानों के कर्ज माफ करने की बात कही, तब वे (अधिकारी) तैयार नहीं थे। उस समय मैं भी मुख्यमंत्री था, मैं भी सौदा कर सकता था, लेकिन मैं मध्यप्रदेश की पहचान सौदे से नहीं बनाना चाहता था।

कमलनाथ गुरुवार को भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मध्यप्रदेश कांग्रेस नगर एवं ग्राम रक्षा समिति के प्रांतीय सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने कहा, %आज मध्यप्रदेश में गांव से लेकर मंत्रालय तक भ्रष्टाचार है। हमारी 15 महीने की सरकार थी। इसमें साढ़े तीन महीने का समय सभा, चुनाव, आचार संहिता में गया। साढ़े 11 महीने में कांग्रेस ने अपनी नीति और नीयत का परिचय दिया।

कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर कहा, %18 साल बाद शिवराज सिंह को बहनें याद आ रही हैं। किसान याद आ रहे हैं। उनका खाना हजम नहीं होता, जब तक वे झूठ न बोल लें। शिवराज रोज घोषणाएं करते हैं। मैं उन्हें नाचने-गाने और बोलने में नहीं हरा सकता, लेकिन सच्चाई में हरा सकता हूं।

मध्यप्रदेश में पिछड़ा वर्ग (ह्वक्ष्ट) कांग्रेस ने आज से %कमलनाथ संदेश यात्रा% की शुरुआत की है। कमलनाथ ने यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। 12 दिन में ये यात्रा ग्वालियर और बुंदेलखंड के 10 जिलों की 25 विधानसभा सीटों को कवर करेगी। मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष दामोदर यादव इस यात्रा को लीड कर रहे हैं। यादव ने बताया कि %कमलनाथ संदेश यात्रा% में 50 जनसभाओं का आयोजन किया जाएगा। यात्रा भोपाल से शुरू होकर रायसेन, विदिशा, अशोकनगर, गुना, शिवपुरी, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी होकर दतिया पहुंचेगी। मध्यप्रदेश में पिछड़ा वर्ग (ह्वक्ष्ट) कांग्रेस ने आज से %कमलनाथ संदेश यात्रा% की शुरुआत की है। कमलनाथ ने यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। मध्यप्रदेश में पिछड़ा वर्ग (ह्वक्ष्ट) कांग्रेस ने आज से %कमलनाथ संदेश यात्रा% की शुरुआत की है। कमलनाथ ने यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। दामोदर यादव ने बताया कि यात्रा के दौरान भाजपा सरकार के 18 साल के कुशासन, 15 महीने की कमलनाथ सरकार की जनहितैषी नीति, किसान, मजदूर, युवा, कर्मचारियों के हित में किए गए काम और निर्णयों को जनता को बताएंगे। सरकार बनने के बाद महिलाओं को 1500 रुपए प्रतिमाह की नारी सम्मान योजना, किसानों की कर्जमाफी, 100 यूनिट बिजली माफ, 200 यूनिट पर बिल हाफ, पुरानी पेंशन बहाली, 500 रुपए में गैस सिलेंडर और जातिगत जनगणना कराने सहित अनेक मुद्दों को जनता के बीच तक पहुंचाया जाएगा। कांग्रेस नगर एवं ग्राम रक्षा समिति का प्रांतीय सम्मेलन भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर हुआ। मध्यप्रदेश में पिछड़ा वर्ग (ह्वक्ष्ट) कांग्रेस आज से %कमलनाथ संदेश यात्रा% की शुरुआत करने जा रही है।

> मैं मुख्यमंत्री था, तब पहली किस्त में 27 लाख किसानों का कर्ज माफ हुआ। दूसरी किस्त चालू किया था ... और हमारी सरकार चली गई। हमने 100 रुपए में 100 यूनिट बिजली दी। आज बिजली भले नहीं आए, लेकिन बिल जरूर आता है।

यात्रा का समापन दतिया में विशाल आम सभा के रूप में होगा। इसमें 20 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं के शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है। यात्रा के समापन अवसर पर विशाल जनसभा में अखिल भारतीय कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय यादव और प्रदेश कांग्रेस प्रभारी जेपी अग्रवाल मुख्य रूप से शामिल होंगे। दामोदर यादव बताया कि यात्रा के पहले चरण की 50 से अधिक सभाओं के माध्यम से लगभग 23 लाख लोगों को संबोधित करने का लक्ष्य रखा गया है। यात्रा के पहले चरण में मुख्य रूप से ग्वालियर संभाग एवं बुंदेलखंड क्षेत्र को कवर किया जा रहा है। अगले चरण में चंबल क्षेत्र के साथ-साथ महाकौशल क्षेत्र में भी यात्रा निकाली जाएगी।

कार की बातचीत लीक होने से पिटे इंदौर युवा मोर्चाध्यक्ष

गौड़ खेमे को एक कॉल गया और सब मिलकर टूट पड़े...

इंदौर। अनुशासित पार्टी कही जाने वाली भाजपा के युवा मोर्चा के दो खेमे भिड़ गए। इतना ही नहीं, युवा मोर्चाध्यक्ष सौगात मिश्रा बुरी तरह पीटे गए। यह घटनाक्रम पांच दिन पुराना है, लेकिन इंदौर से भोपाल तक इसकी चर्चा है। दैनिक भास्कर ने इसकी वजह तलाशने के लिए कई पदाधिकारियों से बात की। नई बात यह सामने आई कि इस पिटाई की मूल वजह कार में बैठे लोगों की वो बात लीक होना है, जो उन्होंने शुभेंद्र गौड़ के परिवार में गमी में बैठने जाने को लेकर हुई थी। बावजूद पुलिस थाने पर किसी ने रिपोर्ट नहीं कराई है, पार्टी ने अंदरूनी मामला बताकर इसे सुलझाना बताया है। सबसे पहले वो इवेंट जिसके बाद विवाद की शुरुआत हुई। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार संगठन के कार्यक्रमों में शामिल होने पिछले शनिवार को इंदौर आए थे। माहेश्वरी समाज स्कूल के जाजू सभागृह में आयोजित युवाओं से बौद्धिक परिचर्चा कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वैभव वहां से रवाना हुए। उन्हें यहां से भंवरकुआं स्थित ज्ञानी जी का खालसा ढाबे पर खाना खाने जाने था। पंवार के साथ कार में नगर अध्यक्ष सौगात मिश्रा, नगर महामंत्री धीरज ठाकुर व निक्की रॉय भी थे। कार में मोर्चा के नगर महामंत्री धीरज ठाकुर (जो नगराध्यक्ष पद के दावेदार भी रहे थे) ने मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष वैभव पंवार से कहा कि शुभेंद्र गौड़ के पापा का निधन हो गया है, वहां बैठने जाना चाहिए। इस पर सौगात मिश्रा ने पंवार से (हंसते हुए, जैसा कि बताया गया) कहा %पापा का नहीं, शुभेंद्र के बड़े पापा का निधन हुआ है, जाना इतना जरूरी नहीं है। सौगात के यह कहने के बाद धीरज ने कार का यह पूरा घटनाक्रम शुभेंद्र गौड़ को फोन करके बता दिया। यह भी कहा कि सौगात ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए यह बात कही है। फोन पर यह बात सुनते ही शुभेंद्र भड़क उठे और वह सौगात से बात करने के लिए समर्थकों के साथ ढाबे कर तरफ चल दिए। शनिवार को माहेश्वरी समाज स्कूल के जाजू सभागृह में आयोजित युवाओं से बौद्धिक परिचर्चा कार्यक्रम में शामिल होने शनिवार को इंदौर आए थे। वैभव ने इसमें जैकेट और शर्ट पहना है। ढाबे में हुई मारपीट के दौरान भी उन्होंने यही कपड़े पहने थे। घटनाक्रम के बाद उनके बारे में यह अफवाह फैलाई गई कि विवाद में पंवार का कुर्ता फट गया। शनिवार को माहेश्वरी समाज स्कूल के जाजू सभागृह में आयोजित युवाओं से बौद्धिक परिचर्चा कार्यक्रम में शामिल होने शनिवार को इंदौर आए थे। वैभव ने इसमें जैकेट और शर्ट पहना है। ढाबे में हुई मारपीट के दौरान भी उन्होंने यही कपड़े पहने थे। घटनाक्रम के बाद उनके बारे में यह अफवाह फैलाई गई कि विवाद में पंवार का कुर्ता फट गया। शुभेंद्र गौड़ पहले तो ढाबे पर अकेले अंदर गए, लेकिन बाद में इशारा करके उन्होंने अपने 10 से 15 सभी समर्थकों को अंदर बुला लिया। समर्थकों के अंदर आते ही शुभेंद्र ने उन्हें अपने पास बैठने का इशारा किया। इसके बाद शुभेंद्र ने सौगात से अभद्र भाषा में बात करना शुरू कर दिया।

रेवली देवली में दो पक्षों में विवाद

नीमच। नीमच के सिटी थाना क्षेत्र के रेवली देवली में गुरुवार सुबह 2 पक्षों में पुराने जमीनी मामले में को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमला कर बैठे, घटना में दोनों पक्ष के 4-4 व्यक्ति घायल हुए। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां से एक पक्ष के 2 लोगों को उदयपुर रैफर किया गया। मिली जानकारी के अनुसार एक पक्ष के शंकर पिता पुष्कर नागदा, पुष्कर नागदा, मुन्नीबाई नागदा, परुबाई नागदा घायल हुए। जिसमें से शंकर नागदा और पुष्कर नागदा को उदयपुर उपचार के लिए रैफर किया गया। वहीं, शंकर नागदा के परिवार जनों ने जिला अस्पताल के डॉक्टरों पर मेडिकल के लिए रिश्वत लेने और वीडियो बनाने पर मोबाइल छीनने के आरोप लगाए। वहीं, दूसरे पक्ष के मंगल नागदा, करण नागदा, वंशीलाल नागदा और शांतिबाई नागदा घायल हुए। जिसमें तो फिलहाल बंसीलाल नागदा का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है।

महाकाल में दो महीने में 27.77 करोड़ दान

खर्च भी ढाई करोड़ से बढ़कर पांच करोड़ प्रति माह हुआ, एडवांस में हो रही कमाई

उज्जैन। उज्जैन में महाकाल लोक बनने के बाद आने वाले भक्त दिल खोलकर दान कर रहे हैं। महाकाल की आय एक साल में तीन गुना से भी अधिक हो गई है। अप्रैल और मई महीने में भक्तों की भेंट से भगवान महाकाल का खजाना भर गया है। मंदिर समिति को करीब 27.77 करोड़ की रिकॉर्ड आय सिर्फ दो महीने में हो चुकी है। इसमें गर्भगृह दर्शन, शीघ्र दर्शन, भस्म आरती अनुमति समेत दान पेटी से मिला दान शामिल है। अब आय बढ़ी तो खर्च भी बढ़कर दोगुना हो गया है।महाकाल लोक से पहले ढाई करोड़ रुपए प्रति माह का खर्च होता था, जो बढ़कर 5 करोड़ से अधिक हो गया है। 11 अक्टूबर को पीएम मोदी ने महाकाल लोक का लोकार्पण किया था। इसके बाद से दुनिया भर से श्रद्धालु बड़ी संख्या में महाकाल मंदिर में पहुंच रहे है। यहां आकर दान के साथ मंदिर समिति की और से चलने वाली व्यवस्थाओं का लाभ भी ले रहे है। इसी वजह से मंदिर समिति की आय में एकाएक बढ़ोतरी हुई है। महाकाल मंदिर में लगी दान पेटियों में तो भक्त दान कर ही रहे हैं। मंदिर समिति की ऑनलाइन सुविधा का फायदा उठाकर भक्त अब एडवांस बुकिंग कर मंदिर समिति को दान करने में पीछे नहीं हट रहे। अप्रैल 2023 में मंदिर समिति को गर्भगृह में प्रवेश, शीघ्र दर्शन टिकट और भस्म आरती अनुमति शुल्क से 14.26 करोड़ की आय हुई थी, जबकि बीते वर्ष अप्रैल 2022 में 3.20 करोड़ रुपए मंदिर समिति को मिले थे।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 17 जून 2023

तापसी ने भी बॉलीवुड कैंप पर तोड़ी चुप्पी

कहा - यह हमेशा से होता आया है

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने बीते महीने बॉलीवुड में चलने वाली गुटबाजी पर बयान देकर काफी सुर्खियां बटोरी थीं. पीसी ने बॉलीवुड के उन कैंपों के बारे में बात की थी जो अक्सर कास्टिंग तय करते हैं. प्रियंका चोपड़ा के कुछ खुलासो ने इंडस्ट्री में खलबली मचा दी थी. प्रियंका के बयान के बाद कंगना ने करण जौहर पर निशाना साधा था. हालांकि देसी गर्ल ने किसी का भी नाम नहीं लिया था. ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा के बाद अब एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने भी अपनी चुप्पी तोड़ी है. दरअसल तापसी ने बॉलीवुड में चल र हे कैंप्स को लेकर सवाल पूछा गया था. जहां उनके पास पीसी की तरह एक स्टोरी थी बताने के लिए. तापसी ने ये एक्सेप्ट किया कि बॉलीवुड कैंप्स होते हैं और ये आपके आसपास हमेशा से हैं. हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू के दौरान तापसी ने खुलकर इस मुद्दे पर खुलकर बात की. तापसी पन्नू के मुताबिक, ऐसा नहीं है कि लोग बॉलीवुड कैंप्स के बारे में नहीं जानते. ये हमेशा से सबके आसपास रहा है. ये एक्टर के फ्रेंड सर्कल पर भी बेस्ड हो सकता है, किसी एजेंसी और ग्रुप के बेस्ड पर भी हो सकता है, जिसका वह हिस्सा हैं और इसी पर लोगों की वफादारी बेस्ड होती है. इतना ही नहीं तापसी को इन चीजों से कोई शिकायत नहीं है और नाही उन्होंने बॉलीवुड को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया. तापसी के अनुसार सभी के पास ये अधिकार है कि उन्हें किसके साथ काम करना है या नहीं यह वह चुन सकती हैं. तापसी ने कहा कि वह अपने करियर के बारे में सोचने के लिए किसी को दोष नहीं दे सकती. उसने स्वीकार किया कि वह हमेशा जानती थी कि उद्योग पक्षपाती और अनुचित होने जा रहा है, और वह उसे ह्लकड़वा व्यक्तिह्व बनाने से इनकार करती है. अगर इतना सब कुछ होने के बाद भी आप इस उद्योग का हिस्सा बनने का फैसला करते हैं, तो यह आपकी पसंद है और आप इसके बारे में बाद में शिकायत नहीं कर सकते.

एक्ट्रेस बनने के लिए दिशा पटानी ने छोड़ दी थी पढ़ाई

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में दिशा पटानी ने बहुत ही कम समय में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। खूबसूरती में तो दिशा नंबर 1 हैं ही, इसके साथ उनकी फिटनेस के भी लोग दीवाने हैं। इन्हें बॉलीवुड की फिटेस्ट एक्ट्रेस के रूप में जाना जाता है। इनका जन्म आज ही के दिन यानी 13 जून 1992 में उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में हुआ था। आज इनके जन्मदिन के मौके पर आइये इनके बारे में जानते हैं।

दिशा के पिता एक पुलिस अधिकारी हैं और इनकी माँ हेल्थ इंस्पेक्टर हैं। दिशा की बड़ी बहन भी हैं और इनकी बड़ी बहन भारतीय सेना में तैनात हैं। बचपन से तो नहीं लेकिन बाद में दिशा का रुझान ग्लैमरस दुनिया की तरफ ज्यादा हो गया जिसके चलते इन्होंने यही राह पकड़ ली। 2013 में दिशा ने फेमिना मिस इंडिया इंदौर में दूसरा स्थान प्राप्त किया था।

सोनम कपूर ने 'वाईआरएफ टेलेंट' के साथ हाथ मिलाया

फिल्म अभिनेत्री सोनम कपूर ने यशराज फिल्म्स की सेलिब्रिटी प्रबंधन इकाई 'वाईआरएफ टेलेंट' के साथ करार किया है। एक प्रेस बयान में बताया गया कि एजेंसी सोनम की पसंद की फिल्मों, वैश्विक फैशन तथा लक्जरी ब्रांड के साथ उनकी साझेदारी से लेकर कामकाजी मां के रूप में उनकी पसंद तक एक ब्रांड के रूप में उनकी पहचान बनाने के लिए काम करेगी। 'वाईआरएफ टेलेंट' ने इससे पहले रानी मुखर्जी, अनुष्का शर्मा, रणवीर सिंह, आयुष्मान खुराना और भूमि पेडनेकर जैसे कलाकारों के लिए काम किया है।

वाईआरएस टेलेंट के उपाध्यक्ष (टेलेंट एंड कम्युनिकेशन्स स्ट्रेटेजी) पृथ्विश गांगुली ने कहा कि सोनम कपूर फिल्मों में लौटने वाली हैं। हम उनके साथ जुड़कर उत्साहित हैं। कुछ महीने पहले नेटफ्लिक्स पर आई फिल्म 'एके वर्सेस एके' में दिखाई दीं सोनम कपूर दो और फिल्मों में काम करने वाली हैं। उसके बारे में विस्तृत जानकारी अभी नहीं आई है।

उर्फी बोल्ड अंदाज के चक्कर में हुई ऊप्स मूमेंट का शिकार

उर्फी जावेद अपने अतरंगी फैशन सेंस और बयानों के लिए जानी जाती है। वह आए दिन सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। लेकिन इस बार उर्फी अपने कपड़ों या फिर किसी बयान को लेकर चर्चा में नहीं है। दरअसल इस बार उर्फी ऊप्स मूमेंट का शिकार हो गईं है। इस वजह से वह सुर्खियों में है। उर्फी एक फैन के साथफोटो खिंचवाते समय अचानक लड़खड़ा गई और अपना संतुलन खो बैठी। इससे वो जमीन पर गिर गईं। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जो जमकर वायरल हो रहा है। फैंस इस वीडियो को देखने के बाद उनका जमकर मजाक बना रहे है।

अपने ही कपड़ों और हील में फंसकर गिरी उर्फी

दरअसल उर्फी अपने एक फैन के साथ फोटो क्लिक करवा रही थीं, तभी खड़े खड़े अचानक वो गिर गईं। इस दौरान उर्फी काफी शर्मिंदा हो गईं। ये सारी मूवमेंट कैमरे में कैद हो गई। उर्फी ने उठने की काफी कोशिश भी की लेकिन कभी वो प्लाजो पैंट में फंस गईं तो कभी अपनी ही हाई हील्स में। वहीं पास खड़े कुछ लोगों ने उर्फी को पकड़कर उठाया। उर्फी ने लॉन्ग प्लाजो पैंट और रिवीलिंग से टॉप पहनी थी।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .